मैथिली (प्रतिष्ठा) बसंत कुमार

बी० ए० (H) पार्ट-III अतिथि शिक्षक

पेपर-V दिनांक [redacted]

प्रकरण- आधुनिक मैथिली साहित्य 08/04/21

दिनांक 11-07-2020क शेष

आधुनिक भाषामे गद्य निर्माणक काज पहिल बेर फोर्ट विलियम कॉलेज द्वारा भेल।

कलकत्ताक हिन्दू कॉलेजक स्थापनासँ नव सांस्कृतिक जागरणमे ~~नवीनता~~ आयल। ई संस्था भारतीय नवपीढीकेँ विचारमे क्रान्तिक संचार कयलक तथा पाश्चात्य विचारसँ नवपीढीकेँ अवगत करओलक। एहि परिवर्त्तनक क्रममे मध्यवर्गक उदय भेल। ई मध्यवर्ग नव शिक्षा दिश आकर्षित भेल आ भारतीय जन-जीवनकेँ ऊपर उठबाक प्रयासमे प्रयासरत भ' गेलाह। भारतीयक हृदयमे पुनः आत्मविश्वास आ' गौरवक जागृति होमय लागलनि।

मैकाले द्वारा अंग्रेजीमाध्यमसँ नवीन शिक्षाक योजनसँ समस्त देश आन्दोलित भ' गेल। पहिलबेर राजाराममोहन रायक अंग्रेजीक माध्यमसँ नव शिक्षा पद्धतिक समर्थनसँ तथा 1854ई०क चार्ल्स उडक शिक्षा नीतिक

द्वारा देशमे विद्यालय आओर विश्व-विद्यालयक स्थापनासँ तथा 1837 ई० मे भारतीय भाषाकेँ सरकारी राजकाजक भाषाक रूपमे स्वीकृति भेटलासँ भारतीय साहित्य पर व्यापक प्रभाव पड़ल।

1860 ई० क पश्चात भारतकेँ यूरोपसँ व्यापक सम्पर्क स्थापित भ' गेल तकर प्रभाव भारतीय जन-जीवन पर पड़ल आ इतिहास धारामे एकटा नव मोड़ प्रदान कयलक।

शेष अगिला अंकमे